१५—तुलसीदास की भाषा

प्रारम्भ—भाषा की शुद्धि—व्याकरण की दृष्टि से शुद्धि—शब्दों
दृष्टि से शुद्धि, भाषा की शक्ति—भाषा का सौन्दर्य ।

१६—रचना-शैली

वीरगाथाकाल की छप्पय पद्धति—विद्यापति और सूरदास की
पद्धति—गंग आदि भाटों की कवित्त-सवैया पद्धति—कबीरदास
नीति-सम्बन्धी दोहा पद्धति—जायसी के दोहे-चौपाई वाली प
—रहीम की बरवै पद्धति ।

१७—काव्य-सौष्ठव

प्रारम्भ—भाव-पक्ष—रस; कलापक्ष—भाषा—छंद—अलंकार—
अर्थ-गांभीर्य ।

१८—दार्शनिक सिद्धान्त

१. ब्रह्म २. जीव २. जगत ४. मोक्ष

१९—रामकाव्य का विकास

प्रारम्भ—पौराणिक आख्यानों में रामकथा—साम्प्रदायिक राम
—संस्कृत का राम साहित्य—बौद्ध साहित्य में राम-कथा—अप
में रामकथा; हिन्दी में राम साहित्य—राम साहित्य के अन
तुलसीदास की महत्ता ।